भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-330

उत्तर दिनांक - 28/11/2024 को दिया गया

वन डीएई वन सब्सक्रिप्शन का शुभारंभ

330. # श्री बाबू राम निषाद
श्री संत बलबीर सिंह
डा. कल्पना सैनी

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) 'वन डीएई वन सब्सक्रिप्शन' (ओडीओएस) का ब्यौरा क्या है और क्या इससे संसाधनों के 'डिजिटल शेयरिंग' की संभावना बढ़ेगी;

(ख) किन गैर-सरकारी कंपनियों के साथ ओडीओएस समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं; और

(ग) राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रों सहित ऐसी वैज्ञानिक पत्रिकाओं की संख्या कितनी है जिन तक ओडीओएस समझौतों के तहत पहुंच प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) नाभिकीय विज्ञान, भौतिकी और संबद्ध क्षेत्रों में कार्यरत प्रमुख संस्थान है। वैज्ञानिक और शोधकर्ता प्रगत अनुसंधान क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं और इसलिए, अपने विषयगत क्षेत्रों में कदम से कदम मिलाकर चलना आवश्यक हो जाता है। नवीनतम शोध निष्कर्षों का प्रसार करने के लिए वैज्ञानिक पत्रिकाओं को प्रमुख साधन माना जाता है। अब तक कुछ अग्रणी प्रकाशकों के साथ संघ (कंसोर्टिया) दृष्टिकोण लागू था। इस तरह के संघ मुख्य रूप से किफायती तौर पर भाग लेने वाली डीएई इकाइयों में विषय सामग्री पढ़ने की सुविधा प्रदान करने के विचार से प्रेरित थे।

हालांकि, समय के साथ, ओपन एक्सेस (ओए) प्रकाशन एक ठोस रूप ले रहा है। विकसित देशों के वैज्ञानिक और शोधकर्ता ओपेन एक्सेस में लेख प्रकाशित करने के लिए लेख प्रसंस्करण शुल्क (एपीसी) का भुगतान करके अधिक उद्धरण प्राप्त करने में एक अग्रणी भूमिका निभा रहे है। भले ही, हमारे वैज्ञानिक और शोधकर्ता विकसित देशों के वैज्ञानिकों की तुलना में प्रमुख पत्रिकाओं में अच्छी गुणवत्ता वाले लेखों में योगदान दे रहे हैं, ओए लेख में उनका योगदान कम है, जिसके कारण उच्च उद्धरण प्राप्त करने में और उनके कार्य की दृश्यता में कहीं न कहीं कमी हो रही है। इस परिपेक्ष्य में डीएई ने वर्ष 2024 के दौरान दो प्रमुख प्रकाशकों अर्थात् मेसर्स जॉन विली एंड संस, अन्य और मेसर्स स्प्रिंगर नेचर ग्रुप के साथ परिवर्तनकारी समझौता (टीए) में प्रवेश किया है। इस समझौते के मुख्यतः दो भाग हैं (ए) पठन और (बी) सभी 60 डीएई इकाइयों में सहमत

लेखों की संख्या को ओए लेखों के रूप में प्रकाशन। पठन भाग, वैज्ञानिकों को सभी डीएई इकाइयों में सामग्री तक पहुंच की अनुमति देने का ध्यान रखता है। जबकि प्रकाशन खंड के अंतर्गत, डीएई वैज्ञानिक और शोधकर्ता अब कुछ प्रमुख हाइब्रिड और कुछ ओपी पत्रिकाओं में ओए के रूप में अपने लेखों का योगदान करने की बेहतर स्थिति में हैं। समझौता एपीसी का ध्यान रखता है, जो एक बड़ा लाभ है।

हां। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, पहले के कुछ संघ (कंसोर्टिया) डीएई की सहयोगी इकाइयों तक सीमित थे। जबकि टीए के साथ वर्तमान रीड और पब्लिश मॉडल, समझौता सभी 60 इकाइयों में है और यह न केवल पठन (रीड) या डिजिटल पहुंच (एक्सेस) प्रदान करता है, बल्कि इसमें प्रमुख हाइब्रिड और कुछ ओपी पत्रिकाओं में ओए लेखों के रूप में प्रकाशित करने के लिए सहमत लेखों की संख्या भी शामिल है। इस पहल को डीएई के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं द्वारा सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

(ख) वर्ष 2024 के दौरान, डीएई ने पहली बार विज्ञान, प्रौद्योगिकी और चिकित्सा (एसटीएम) क्षेत्र में दो प्रमुख प्रकाशकों - मेसर्स जॉन विली एंड संस, अन्य और मेसर्स स्प्रिंगर नेचर ग्रुप के साथ टीए समझौता किया है।

पहले समझौते के तहत, मेसर्स जॉन विली एंड संस, अन्य, केवल 12 डीएई इकाइयों को प्रदान की गई 166 विशेष पत्रिकाओं की वर्तमान पहुंच की तुलना में पूरे डीएई समुदाय (60 इकाइयों) को वर्ष 1997 से पुरालेखों सहित 1300 से अधिक विली पत्रिकाओं के संकलन तक पहुंच प्रदान करेगा।

दूसरे समझौते के तहत मेसर्स स्प्रिंगर नेचर ग्रुप, केवल 14 इकाइयों को प्रदान की गई 1700 से अधिक विशेष पत्रिकाओं तक पहुंच की तुलना में पूरे डीएई (60 इकाइयों) को 2,800 से अधिक स्प्रिंगर नेचर शीर्षकों तक पहुंच प्रदान करेगा।

डीएई के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को मेसर्स जॉन विली एंड संस, अन्य के साथ ओपन एक्सेस पत्रिकाओं में लगभग 81 लेख प्रकाशित करने का भी अधिकार होगा और वे मेसर्स स्प्रिंगर नेचर ग्रुप की पत्रिकाओं में ओपेन एक्सेस के रूप में 281 से अधिक लेख प्रकाशित करने में भी सक्षम होंगे।

(ग) **डीएई की इकाइयों (60) को ओडीओएस समझौते के अधीन पहुंच निम्नानुसार है :**

मेसर्स स्प्रिंगर नेचर ग्रुप – 2800 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएँ, कुछ भारतीय मूल की पत्रिकाओं सहित।

मेसर्स जॉन विली एंड संस – 1300 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएँ।

ओडीओएस समझौते के अधीन प्रकाशन करना:

मेसर्स स्प्रिंगर नेचर ग्रुप – 281 लेख ओपन-एक्सेस के रूप में प्रकाशित किए जाएंगे।

मेसर्स जॉन विली एंड संस – 81 लेख ओपन-एक्सेस के रूप में प्रकाशित किए जाएंगे।

*****